2017

HINDI

(Major)

Paper : 1.2

Full Marks : 80

Time : 3 hours

The figures in the margin indicate full marks for the questions

1. पूर्ण वाक्य में उत्तर दीजिए : 1×10=10

(क) 'मुरारि' का तात्पर्य क्या है?

(ख) गंगा के प्रति विद्यापति का कौन-सा अपराध हो गया है?

(ग) कबीरदास जी का जन्म कब और कहाँ हुआ था?

(घ) कबीर की भाषा का नाम क्या है?

(ङ) 'आखिरी कलाम' किसकी कृति है?

(च) सूरदास किस काव्यधारा के प्रमुख कवि थे?

(छ) तुलसीदास जी की प्रमुख कृति का नाम बताइए।

(ज) रसखान की भाषा क्या थी?

(झ) मीराबाई के सांसारिक पति का नाम क्या है?

(ञ) दादूदयाल किस सम्प्रदाय के कवि हैं?

2. संक्षेप में उत्तर दीजिए : 2×5=10

(क) विद्यापति ने कितनी भाषाओं में रचना की थी?

(ख) सूरदास की भक्ति संबंधी दो विशेषताएँ लिखिए।

(ग) वैशाख महीने में नागमती की विरहावस्था कैसी थी?

(घ) "मन पछितैहै अवसर बीते।" तुलसीदास ने क्यों ऐसा कहा है?

(ङ) रसखान की दो काव्यिक विशेषताएँ लिखिए।

3. किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर दीजिए : 5×4=20

(क) विद्यापति ने गंगा-स्तुति कैसे की है?

(ख) विद्यापति ने अर्द्धनारीश्वर रूप का वर्णन किस प्रकार से किया है?

(ग) कबीर की प्रेम-संबंधी अवधारणा को स्पष्ट कीजिए।

(घ) 'विनय' के पदों के आधार पर सूरदास के आराध्य देवता का वर्णन कीजिए।

(ङ) भक्ति काव्य के रूप में 'विनय-पत्रिका' का क्या महत्त्व है?

(च) कवि रसखान का साहित्यिक परिचय दीजिए।

4. सप्रसंग व्याख्या कीजिए : 10×2=20

(क) नन्द क नन्दन कदम्ब क तरुतर धिरे धिरे मुरलि बजाव।
समय संकेत-निकेतन बइसल बेरि बेरि बोलि पठाव।
सामरि, तोरा लागि अनुखन बिकल मुरारि।
जमुना क तिर उपबन उदबेगल फिरि फिरि ततहि निहारि।

अथवा

प्रेम न बारी ऊपजै प्रेम न हाटि बिकाइ।
राजा परजा जेहि रुचै सीस देइ लै जाइ॥

(ख) जसुदा मदन गोपाल सुवावै।
देखि सुपन गति त्रिभुवन कण्यों ईस विरंचि भ्रमावै॥
असित अरुन सित आलस लोचन उभै पलक पर आवै।
जनु रविगत संकुचित कमल जुग निसि अलि उड़न न पावै॥

अथवा

कबहुँक हौं यहि रहनि रहौगे।
श्री रघुनाथ-कृपालु-कृपा तें संत सुभाव गहौंगो॥
जथालाभ संतोष सदा, काहू सो कछु न चहौंगे।
परहित-निरत निरंतर मनक्रम बचन नेम निबहौंगे॥

5. विद्यापति की शृंगार-भावना पर प्रकाश डालिए। 10

अथवा

कबीर की भक्ति-भावना पर प्रकाश डालिए।

6. तुलसीदास के 'भरतविनय प्रसंग' के मूल भावार्थ को व्यक्त कीजिए। 10

अथवा

दादूदयाल की साहित्यिक प्रतिभा का परिचय दीजिए।

★★★